Sixteenth Loksabha

an>

Title: Regarding the Kamala Mills and Phoenix Mills.

डॉ. किरीट सोमैया (मुम्बई उत्तर पूर्व) : मैडम, मुंबई में कमला मिल कम्पाउण्ड में आग लगी है, उसमें 18 लोग जिंदा जल कर मर गए हैं। मेरी जो जानकारी है कि वहां पर जो पब था, रैस्टोरेंट था, वह गैरकानूनी था, उसके पास परमीशन नहीं थी। कमला मिल कम्पाउंड और बगल के फिनिक्स मिल कम्पाउंड में इस प्रकार के दर्ज़नों होटल्स, रैस्टोरेंट्स और पब्स हैं। मैं आपके द्वारा प्रार्थना करना चाहता हूँ कि नगर विकास मंत्री और महाराट्र सरकार को सूचना दी जाए कि इन सबका स्पेशल फायर ऑडिट किया जाए। Kamala Mills and Phoenix Mills are nothing but death traps.

मैडम, 15 दिन पहले मेरे मतदान क्षेत्र को लगकर इसी प्रकार से फरसान मार्ट में आग लगी थी, जिसमें कि 12 मज़दूर जिंदा जल कर मर गए थे। इस प्रकार की घटनाएं रोजाना हो रही हैं। मुंबई महानगर पालिका, उनके अधिकारी, भ्रट अधिकारी क्या कर रहे हैं? फायर ऑडिट नहीं होता है। उसको जो परमिशन जो दी गई, वह गैर कानूनी थी। इसलिए दोनो मॉल्स का स्पेशल ऑडिट हो, फायर इंस्पैक्शन हो, और आम आदमी की जान की रक्षा की जाए। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : श्री गोपाल शेट्टी को डॉ. किरीट सोमैया द्वारा उठाए गए विाय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अरविंद सावंत जी, आपकी भी यही चिंता है?

...(व्यवधान)

श्री अरविंद सावंत: मैडम, आज सुबह ही मैंने इसी मुद्दे पर नोटिस दिया है। यह मेरे चुनाव क्षेत्र की घटना है। इनको तो घुसने की आदत है।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : अरे तो मैं आपको अलाऊ कर रही हूँ न?

...(व्यवधान)

श्री अरविंद सावंत: मैडम, उनको बीच में घुसने की आदत है। वे आदत से मज़बूर हैं। ...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : मैं आपको अलाऊ कर रही हूँ न? ऐसा नहीं होता है, उनका भी अधिकार है।

...(व्यवधान)

श्री अरविंद सावंत: मैडम, वह छोड़िए, वे आदत से मज़बूर हैं। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया, मेरे चुनाव क्षेत्र में यह कमला मिल आती है। उस कमला मिल में जो हादसा हुआ, उस हादसे में होटल में आग लगी थी। आग बढ़ कर फैलती गई, ऊपर चली गई। ऊपर जो एग्जिट था, वह बंद था। वहां बहुत सी महिलाएं थी, किसी का बर्थडे सैलिब्रेट कर रही थीं, वे बेचारी बाथरूम में रूकी, वहां आग नहीं पहुंची, लेकिन वहां घुटन हो रही थी। उसमें 14 लोग मरे हैं, जिनमें 11 तो महिलाएं ही हैं। महोदया, इस घटना को ले कर मैं दुखी हूँ कि इतना बड़ा हादसा हो गया। मैं कहना चाहता हूँ कि मुंबई में जितनी भी मिलें हैं, उनके अंदर या तो रैसिडेंशियल कॉम्पलैक्स होने दो या इस तरह के व्यावसायिक कॉम्पलैक्स होने दो।

महोदया, आप एकदम चौंक जाएंगी कि इनको परमीशन किसने दी, किस तरह से इन्हें बनाया गया।

माननीय अध्यक्ष : इसीलिए तो वे गुस्सा हैं।